Need to constitute a regulatory body to monitor the negative impacts of social media on children and youths of the country ? laid

श्री मितेष पटेल (बकाभाई) (आनंद): किसी भी देश के बच्चे और युवा देश का भविष्य होते हैं। उनकी सोच, संस्कार ही तय करते हैं कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य किस दिशा में जाएगा। आजकल सोशल मीडिया पर रील बनाकर रातो रात सेलिब्रिटी होने की सोच युवा वर्ग ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों में भी घर कर रही है। ज्यादा से ज्यादा व्यू, लाईक, कमेन्ट के चक्कर में अब ये प्लेटफार्म अच्छे कंटेन्ट से विहीन, नकारात्मकता और अश्लीलता के अड्डे बन चुके है जिसका प्रभाव हमारे बच्चों पर दिख रहा है। ये बात सुनने में भले ही साधारण दिख रही है। लेकिन ये समस्या बहुत ही घातक असर डाल रही है विशेषकर युवा और बच्चों पर। इन प्लेटफार्मों पर क्रेटेन्ट विडियों या रिल्स आदि को कानून या कोई नियंत्रणकारी संस्था बना कर मॉनिटर करने की तत्काल आवश्यकता है क्योंकि किसी भी राष्ट्र के बच्चे और युवा वर्ग को विनाश की तरफ उन्मुख होने कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। शार्टकट से सेलिब्रिटी होने के चक्कर में परिश्रम और शिक्षा की तरफ़ युवाओं का रूझान रील युग में भटकाव की तरफ़ हो रहा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उपरोक्त बातों पर सरकार संज्ञान ले और इस संबंध में कुछ सकारात्मक करे।